Inauguration of DST-Sponsored Workshop (Karyashala) on "Hands on Training on Basic and Advanced Techniques for Bacterial and Fungal Disease Diagnosis" with Enthusiasm by Eminent Dignitaries

In a landmark inaugural function, the DST-SERB sponsored high-end workshop (Karyashala) on **"Hands on training on Basic and advanced techniques for bacterial and fungal disease diagnosis**" commenced at the Division of Bacteriology and Mycology on 11th March, 2024 was graced by the esteemed Chief Guest, Dr. Triveni Dutt, Director and Vice Chancellor of ICAR-IVRI, alongside other distinguished dignitaries including Dr A.S. Yadav (ADG, EQA&R), Dr. K.P. Singh, Joint Director (CADRAD), and Dr. S.K. Mendiratta, Joint Director (Academic). The ten-day workshop will be held from **11th to 20th March, 2024**.

During his address at the inaugural ceremony, Dr. Dutt expressed his satisfaction with the theme and title of the workshop chosen for the event. Encouraging active participation, he advised students to harness the expertise of the experienced faculties at the Institute, emphasizing the application of acquired knowledge in their research programmes. He further emphasized that this type of Karyashala or training programme is an essential component of NEP and it will aid in the development of IVRI as a global university. Dr A S Yadav (ADG, EQA&R) has informed the house that IVRI has adopted all the guidelines of NEP and taking lead in the implementation of NEP in the country. He further emphasized that IVRI has started many courses for the training of students which is the one of objective of NEP to offer the flexible education and development of skills among students.

Dr. Dutt, together with Dr. K.P. Singh (JD, CADRAD), Dr. S.K. Mendiratta (JD, Academic), Dr P Dandapat (HD, B&M) and Dr Abhishek (Course Director) has also released an e-Manual comprising lectures/practicals during the event, marking a valuable resource for the workshop participants. During the inaugural function, Dr R. V. S. Pawaiya (HD, Pathology), Dr S. Bandyopadhyay (HD, Parasitology), Dr B. R. Singh (HD, Epidemiology), Dr Kiran Bhilegaonkar (HD, VPH), Dr Gyanendra Singh (HD, Physiology & Climatology and Academic Coordinator), Dr. R.K. Agrawal (HD, BP), Dr Rajat Garg (UG Coordinator), Dr V. K. Chaturvedi (Ex-HD, B&M Division) and faculty members from various departments and sections were also present.

Dr. Dandapat stated that the workshop is intended to cover a wide range of diagnostic techniques in order to provide practical learning experiences for participants from diversified fields. With a focus on diagnosis of bacterial and fungal diseases, the event underscores a commitment to the highest standards of veterinary research. The combination of traditional and modern approaches ensures a proactive and multidimensional strategy in mitigating the impact of infectious diseases.

The workshop received an overwhelming response, with 170 applications from across the country. A total of 20 participants were chosen after a rigorous screening procedure based on merit and discipline, with diverse backgrounds ranging from microbiology to biotechnology, veterinary public health and life sciences.

Dr. Abhishek, Senior Scientist, B&M Division and the Course Director, emphasized the strategic planning of topics to comprehensively cover majority of the aspects of bacterial and fungal diagnostics covering both the conventional and cutting-edge new generation technologies. Apart from Bacteriology and Mycology, faculties from Biological Standardization, Biological Products, Immunology, Biotechnology, Biochemistry, Pathology, Veterinary Public Health, Epidemiology, Wildlife, Animal Genetics, Joint Directorate of CADRAD and Regional Stations (Bengaluru and Kolkata) have also been involved in this training program. Three expert lectures have also been arranged from the eminent faculties of abroad universities/organization. Further, two presentations will be delivered by the experts from PGIMER, Chandigarh as well as three expert lectures from state universities via online mode. The workshop is being coordinated by Dr Abhishek, Dr P Thoams, Dr Bablu Kumar, Dr Athira V, and Dr P Dandapat. Dr Himani Dhanze has moderated the entire inaugural function. The program ended with vote of thanks proposed by the Dr Prasad Thomas.

अमर उजाला
amarujala.com
बरेली | मंगलवार, 12 मार्च 2024
7

कार्यशाला में सैंपलिंग व जांच की बारीकियां सीखेंगे शोधार्थी

आईवीआरआई में 15 विश्वविद्यालयों के 20 शोधार्थी कर रहे प्रतिभाग

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर के जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में दस दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इसमें देश के 15 विश्वविद्यालयों के 20 शोधार्थियों को सैंपल कलेक्शन, जांच और सैंपल को नष्ट करने तक की प्रक्रिया सिखाई जाएगी।

कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने किया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए संस्थान में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने की जरूरत है। शिक्षा के डिजिटलीकरण पर जोर दिया। व्याख्यान संबंधी ई-मैनुअल का विमोचन किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. अजीत सिंह यादव ने आईवीआरआई में नई शिक्षा नीति के तहत पढ़ाई कराने, वैक्सीन, उपकरण, तकनीकी आदि के विकास में योगदान को सराहा। यहां डॉ. केपी सिंह, डॉ. एसके मेंदीरत्ता, डॉ. पी दंडापत, पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. अभिषेक, डॉ. प्रसाद थॉमस, डॉ. बबलू कुमार, डॉ. अथिरा वी, डॉ. हिमानी धांजे, डॉ. शुभाश्री बंदोपाध्याय, डॉ. किरण भिलेगांवकर, डॉ. वीके चतुर्वेदी, डॉ. बीआर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

आईवीआरआई में आयोजित कार्यशाला में मौजूद अतिथि। स्रोत : संस्था

इसका मिलेगा प्रशिक्षण–कार्यशाला में बेसिक ऑफ बैक्टीरिया एंड फंगस हैंडलिंग, गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज, लेबोरेटरी बायो-सेफ्टी, रिस्क ग्रुप एनालिसिस, सैंपल कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ क्लीनिकल सैंपल्स, आइसोलेशन, कल्टीवेशन, माइक्रोस्कोपी, एंटी बैक्टीरियल सेंस्टिविटी, जीनोम सिक्वेंसिंग समेत अन्य जानकारी दी जाएगी।

दैनिक जागरण

Published from **BAREILLY** • Agra • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

ल अटैक } 10

Max: 30.0°c
Min : 16.0°c

inext

सेंसेक्स 59

2 **दैनिक जागरण**, Bareilly, 12 March 2024

वर्कशॉप फंगल डिजीज डायग्नोसिस में एक्सपर्ट बनेंगे 15 यूनिवर्सिटीज के रिसर्चर्स

'अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखें और अपने शोध में करें शामिल'

देश के 15 विवि के मास्टर्स और पीएचडी के 20 स्टूडेंट्स ने किया प्रतिभाग

वर्कशॉप में आईवीआरआई के निदेशक के साथ मौजूद गेस्ट.

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (11 Mar): भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन बेसिक एंड एडवांस्ड टेक्निक्स फॉर बैक्टीरियल एंड फंगल डिजीज डायग्नोसिस' पर एक दस दिवसीय डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित उच्च-स्तरीय वर्कशॉप शुरू हुई. इस वर्कशॉप में देश के विभिन्न भागों, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश उत्तराखंड, पंजाब राजस्थान, हिमांचल प्रदेश, नई दिल्ली, पुंडुचेरी सहित 15 विश्वविद्यालयों एवं राष्ट्रीय संस्थानों से मास्टर्स और पीएचडी के कुल 20 स्टूडेंट्स शामिल हुए.

20 स्टूडेंट्स ने लिया भाग

वर्कशॉप के इनॉग्रेशन समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने वर्कशॉप के विषय पर प्रसन्नता व्यक्त की और विज्ञान संबंधी तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर अपने अनुभवों को साझा किया. उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे वर्कशॉप में सक्रिय भाग लें और संस्थान के अनुभवी शिक्षकों से सीखें और इन सीखों को अपने शोध कार्यक्रम में शामिल करें. कहा कि संस्थान नई शिक्षा नीति को लागू कर निर्देशों का पालन कर रहा है. बताया कि ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनाने तथा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने तथा अंतराष्ट्रीय नेटवर्क को बढ़ाने तथा शिक्षा के डिजिटलीकरण पर जोर दिया. उन्होंने समय-समय पर पाठ्यक्रम के पुनरीक्षण कि आवश्यकता तथा शोधों को हितधारकों, राज्य कि आवश्यकता के अनुसार करने कि बात कही. इस अवसर पर व्याख्यान युक्त एक ई-मैनुअल का भी विमोचन संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक (कैडराड) डॉ. केपी सिंह, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक), डॉ एसके मेंदीरत्ता, विभागाध्यक्ष बीएंडएम, डॉ. पी दंडापत की उपस्थिति में किया गया.

कौशल निर्माण करना अहम

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. अजीत सिंह यादव ने कहा कि आईवीआरआई नई शिक्षा नीति का पालन तो कर ही रहा है साथ ही साथ यह बहुत अच्छी लीड ले रहा है. संस्थान के विश्व विद्यालय द्वारा हमारे छात्रों के लिए कई कोर्स शुरू किए गए है. साथ साथ यहां के वैज्ञानिकों ने गुणवत्ता युक्त टीकों के भी निर्माण किया है. उन्होने कहा कि नई शिक्षा नीति का मुख्य फोकस शिक्षा को फ्लेक्सिबल तथा छात्रों में कौशल निर्माण करना है.

कोर्स के बारे में बताया

कार्यक्रम के स्वागत भाषण में वर्कशॉप के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. अभिषेक ने वर्कशॉप के बारे में संक्षिप्त रूप रेखा दी. साथ ही इस वर्कशॉप में होने वाले लेक्चर और प्रैक्टिकल के बारे में भी बताया. डॉ. अभिषेक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग के अलावा जैविक उत्पाद, जैविक मानकीकरण, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, पैथोलॉजी, फिजियोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, वेटरनरी पब्लिक हेल्थ, और एपिडेमियोलॉजी के संकाय सदस्य भी शामिल हैं. तीन व्याख्यान विदेशी विशेषज्ञों द्वारा भी इस वर्कशॉप के दौरान ऑन लाइन माध्यम से दिए जाएंगे. इनमे दो विशेषज्ञ इटली से एवं एक विशेषज्ञ पेरिस से अपना ज्ञान ट्रेनिंग के छात्रों से साझा करेंगे. इसके अलावा, प्रत्येक तकनीकी सत्र को एक परिचयात्मक भाग के लिए डिजाइन किया गया है ताकि नैदानिक तकनीक के बुनियादी सिद्धांतों को समझने में सक्षम हों. वर्कशॉप का संचालन डॉ. हिमानी धांजे द्वारा किया.

दी जाएगी जानकारी

इस अवसर पर जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी दंडापत ने वर्कशॉप मे विभिन्न परम्परागत एवं नई तकनीकों पर प्रतिभागियों को अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया. इस वर्कशॉप मे पारंपरिक और उन्नत जीवाणुकीय तकनीकों जैसे बेसिक ऑफ बैक्टीरिया एंड फंगस हैंडलिंग, गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज, लेबोरेटरी बायो-सेफ्टी एवं बायो-सिक्योरिटी, रिस्क ग्रुप एनालिसिस, सैंपल कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ क्लीनिकल सैंपल्स, आइसोलेशन, कल्टीवेशन, एवं शुद्धिकरण ऑफ बैक्टीरिया एवं फंगस, माइक्रोस्कोपी एंड मिक्रोमेट्री, एंटी बैक्टीरियल संवेदनशीलता परीक्षण, फेज टाइपिंग पीसी आर, रियल टाइम पीसी आर, फेज, क्वालिटी कण्ट्रोल ऑफ बैक्टीरियल वैक्सीन्स एंड डायग्नोस्टिक्स और कटिंग-एज तकनीक जैसे पीएस आर, क्रिस्पर कैस, ड्रापलेट डिजिटल पीसीआर, पी एसआर, एलएएम पी (लैंप), एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल मेथड्स, कनफोकल माइक्रोस्कोपी, एनजी एस प्लेटफॉर्म्स, बैक्टीरियल जीनोम असेंबली एवं इन सिलिको विरुलेन्स एंड ए एम आर प्रिडिक्शन्स इमेजिंग आदि नैदानिक तकनीको पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान कि जाएगी.

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बरेली, मंगलवार, 12 मार्च 2024 04

शोध में नई तकनीक का करें इस्तेमाल: डॉ. त्रिवेणी

आईवीआरआई

- बैक्टीरियल एंड फंगल डिजीज पर कार्यशाला
- आठ राज्यों के 20 प्रशिक्षु हो रहे हैं इसमें शामिल

बरेली, मुख्य संवाददाता। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन बेसिक एंड एडवांस्ड टेक्निक्स फॉर बैक्टीरियल एंड फंगल डिजीज डायग्नोसिस' पर दस दिवसीय डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित उच्च-स्तरीय कार्यशाला शुरू की गई। इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उतराखंड, पंजाब राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, नई दिल्ली, पुंडुचेरी सहित 15 विश्वविद्यालयों एवं राष्ट्रीय संस्थानों से मास्टर्स और पीएचडी के 20 प्रशिक्षु शामिल हुए हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने सभी छात्रों को शोध में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर एक ई-मैनुअल का भी विमोचन किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. अजीत सिंह यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों में कौशल निर्माण करना भी है। जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी दंडापत ने कार्यशाला में विभिन्न परम्परागत एवं नई तकनीकों पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ अभिषेक ने कार्यशाला की रूपरेखा बताई। संयुक्त निदेशक कैडराड डॉ. केपी सिंह, संयुक्त निदेशक शैक्षर्णिक डॉ एसके मेंदीरत्ता, डॉ. हिमानी धांजे, डॉ आर एस पवेय्या, डॉ. शुभाश्री बंधोपाध्याय, डॉ किरण भिलेगांवकर, डॉ वीके चतुर्वेदी, डॉ बीआर व अन्य थे।

राष्ट्रीय सहारा

अपना शहर
बरेली

3

फंगल डिजीज डायग्नोसिस पर कार्यशाला शुरू

बरेली(एसएनबी)। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन बेसिक एंड एडवांस्ड टेक्निक्स फॉर बैक्टीरियल एंड फंगल डिजीज डायग्नोसिस' पर एक दस दिवसीय डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित उच्च-स्तरीय कार्यशाला शुरू की गई। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश उत्तराखंड, पंजाब राजस्थान, हिमांचल प्रदेश, नई दिल्ली, पुडुचेरी सहित 15 विश्वविद्यालयों एवं राष्ट्रीय संस्थानों से मास्टर्स और पीएचडी के कुल 20 छात्र (दस छात्र एवं दस छात्राएं) शामिल हुए है। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ.त्रिवेणी दत्त ने कार्यशाला के विषय पर प्रसन्नता व्यक्त की और विज्ञान संबंधी तकनीको के विभिन्न पहलुओं पर अपने अनुभवो को साझा किया।

उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला मे सक्रिय भाग ले और संस्थान के अनुभवी शिक्षको से सीखें और इन सीखो को अपने शोध कार्यक्रम मे शामिल करे। डॉ त्रिवेणी दत्त ने कहा कि संस्थान नई शिक्षा नीति को लागू कर निर्देशो का पालन कर रहा है तथा संस्थान के कई विभागों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। डॉ दत्त ने ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनाने तथा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने तथा अंतराष्ट्रीय नेटवर्क को बढ़ाने तथा शिक्षा के डिजिटलीकरण पर ज़ोर दिया। इस दस दिवसीय कार्यशाला का समन्वय डॉ. अभिषेक, डॉ प्रसाद थॉमस, डॉ बबलू कुमार, डॉ अथिरा वी और डॉ.पी.दंडापत के देखरेख मे होगा। कार्यशाला का संचालन डॉ.हिमानी धांजे द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रसाद थॉमस द्वारा दिया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष विर्त्ति विज्ञान विभाग डॉ आर एस पवेय्या, डॉ.शुभाश्री बंधोपाध्याय, डॉ किरण भिलेगाँवकर, डॉ वी के चतुर्वेदी, डॉ बी आर सिंह, डॉ. रविकान्त अग्रवाल, डॉ ज्ञानेन्द्र सिंह तथा डॉ रजत गर्ग और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष 3, अंक 109, पृष्ठ 16, मूल्यः 5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली, मंगलवार, 12 मार्च 2024

फंगल बीमारियों की रोकथाम के लिए कार्यशाला शुरू

बरेली, अमृत विचार : आईवीआरआई की ओर से सोमवार को जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन बेसिक, एडवांस्ड टेक्निक्स फॉर बैक्टीरियल

एंड फंगल डिजीज डायग्नोसिस पर 10 दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इसमें 15 विश्वविद्यालयों के 20 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (ईक्यूएंडआर) डॉ. अजीत सिंह यादव ने कहा कि आईवीआरआई नई शिक्षा नीति के पालन के साथ ही अच्छी लीड ले रहा है। निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने विज्ञान संबंधी तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए। इस मौके पर व्याख्यान युक्त एक ई-मैनुअल का विमोचन किया गया। डॉ. पी. दंडापत ने बताया कि कार्यशाला में पारंपरिक और उन्नत जीवाणुकीय तकनीकों जैसे बेसिक ऑफ बैक्टीरिया एंड फंगस हैंडलिंग, गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज आदि पर जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में तीन व्याख्यान पेरिस के वैज्ञानिक भी साझा करेंगे। संयुक्त निदेशक (केडराड) डॉ. केपी सिंह, डॉ एसके मेंदीरत्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र

05 तरुणमित्र

फिरोजाबाद, फर्रूखाबाद, बिजनौर, बरेली, बदायूं

अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को बढ़ाने व शिक्षा के डिजिटलीकरण पर दिया जोर

बरेली, 11 मार्च (तरूणमित्र)। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन बेसिक एंड एडवांस्ड टेक्निक्स फॉर बैक्टीरियल एंड फंगल डिजीज डायग्नोसिस' पर एक दस दिवसीय डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित उच्च-स्तरीय कार्यशाला शुरू की गई। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश उतराखंड, पंजाब राजस्थान, हिमांचल प्रदेश,नई दिल्ली, पुंडुचेरी सहित 15 विश्वविद्यालयो एवं राष्ट्रीय संस्थानो से मास्टर्स और पीएचडी के कुल 20 छात्र (दस छात्र एवं दस छात्राये) शामिल हुए हैं। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने कार्यशाला के विषय पर प्रसन्नता व्यक्त की और विज्ञान संबंधी तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला

में सक्रिय भाग लें और संस्थान के अनुभवी शिक्षकों से सीखें और इन सीखों को अपने शोध कार्यक्रम में शामिल करें। डॉ त्रिवेणी दत्त ने कहा कि संस्थान नई शिक्षा नीति को लागू कर निदेशों का पालन कर रहा है तथा संस्थान के कई विभागों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है डॉ दत्त ने ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनाने तथा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने तथा अंतराष्ट्रीय नेटवर्क को बड़ाने तथा शिक्षा के डिजिटलीकरण पर जोर दिया। इस अवसर पर व्याख्यान युक्त एक ई-मैनुअल का भी विमोचन संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक (केडराड) डॉ. के.पी. सिंह, संयुक्त निदेशक (शैक्षर्णिक), डॉ एस. के. मेंदीरत्ता, विभागाध्यक्ष बी एंड एम, डॉ. पी. दंडापत की उपस्थिति में किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (ई.क्यू.ए.एंड आर.) डॉ. अजीत सिंह यादव ने कहा कि आईवीआरआई नई शिक्षा नीति का पालन तो कर ही रहा है साथ ही साथ यह बहुत अच्छी लीड ले रहा है। संस्थान के विश्व विद्यालय द्वारा हमारे छात्रों के लिए कई कोर्स शुरू किए गए है । साथ साथ यहाँ के वैज्ञानिकों ने गुणवत्ता युक्त टीकों के भी निर्माण किया है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ अभिषेक ने कार्यशाला के बारे में संक्षिप्त रूप रेखा दी। साथ ही इस वर्कशॉप में होने वाले लेक्चर और प्रैक्टिकल के बारे में भी बताया।

इस दस दिवसीय कार्यशाला का समन्वय डॉ. अभिषेक, डॉ प्रसाद थॉमस, डॉ बबलू कुमार, डॉ अथिरा वी और डॉ. पी. दंडापत के देखरेख में होगा। कार्यशाला का संचालन डॉ. हिमानी धांजे द्वारा किया गया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रसाद थॉमस द्वारा दिया गया । इस अवसर पर विभागाध्यक्ष विर्ति विज्ञान विभाग डॉ आर एस पवेय्या, डॉ. शुभाश्री बंधोपाध्याय, डॉ किरण भिलेगाँवकर, डॉ वी के चतुर्वेदी, डॉ बी आर सिंह, डॉ. रविकान्त अग्रवाल, डॉ ज्ञानेन्द्र सिंह तथा डॉ रजत गर्ग और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे ।